NATIONAL ELECTION WATCH

PRESS RELEASE **Sepember 08, 2009**

10 तथा 15 सितम्बर 2009 को 7 राज्यों में होने वाले उप चुनावों में 64 दागी उम्मीदवार मैदान में

इन 64 उम्मीदवारों में से 15 (सर्वाधिक बिहार में) उम्मीदवारों पर हत्या तथा हत्या का प्रयास जैसे संगीन अपराधिक मामले लंबित

नेशनल इलेक्सन वॉच ने मतदाताओं से ऐसे उम्मीदवारों का बहिष्कार करने की अपील की

नई दिल्ली, दिनाक 8 सितंबर 2009 : एसोसिएसन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एवं नेशनल इलेक्सन वॉच एक राष्ट्रीय अभियान है जिसमे 1200 से अधिक गैर सरकारिक संगठन और कई दूसरे नागरिक संगठन साथ मिलकर चुनाव सुधार, प्रजातांत्रिक सुधार एवं सुसासन के लिये कार्य करते है.

नेशनल इलेक्सन वॉच ने 7 राज्यों (आंध्रप्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम तथा दिल्ली) की 32 विधान सभाओं के लिए 10 तथा 15 सितंबर 2009 को होने वाले उप चुनाव मे चुनाव लड़ रहे कुल 329 उम्मीदवारों में से 202 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है. इन सभी उम्मीदवारो की सूचना अब http://myneta.info पर भी उपलब्ध है. सिक्किम के पूरे हलफ़नामे वेबसाइट पर उपलब्ध नही थे.

मुख्य बिंदु :

1. 7 राज्यों के कुल 202 हलफनामों का विश्लेषण किया गया.
2. लंबित अपराधिक मामले वाले कुल उम्मीदवार = 64
3. इन 64 उम्मीदवारों में से 32 उम्मीदवारों पर भारतीय दंड संहिता के अन्तर्गत गम्भीर आरोप हैं.
4. बिहार से सर्वाधिक लंबित अपराधिक मामलों वाले उम्मीदवार (123 मे से 45, 36.49%) चुनाव लड़ रहे हैं इसके बाद गुजरात है. जहाँ कुल 24 उम्मीदवारों मे से 9 (37.50%) उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले लंबित हैं.
5. राजनैतिक दलों मे INC के कुल 31 उम्मीदवारों में से 13 (41.94%) उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर

अपराधिक मामले लंबित चल रहे हैं. RJD के 12 में से 9(75%) तथा BJP और JD(U) के 17 तथा 11 उम्मीदवारों में से 5-5(29.41%, 45.45% क्रमश:) उम्मीदवार ऐसे हैं जिन पर अपराधिक मामले लंबित चल रहे हैं.

6. गंभीर आपराधिक मामले जैसे कि हत्या, हत्या का प्रयास, चोरी इत्यादि पर पार्टियों के उम्मीदवारों की स्थिति- INC के 6, RJD के 4, JD(U) के 4, CPI के 3, NCP, LJSP तथा CPI(M)(L)L के क्रमश 2-2 तथा BJJD के 1.

7. 15 उम्मीदवारों पर हत्या तथा हत्या का प्रयास जैसे गम्भीर मामले लंबित चल रहे हैं जिनमें बिहार से 13,दिल्ली तथा गुजरात से 1-1 उम्मीदवार हैं.

8. 202 उम्मीदवारों में से 19 उम्मीदवार करोड़पति है. सर्वाधिक करोड़पति INC से (31 में से 5,16.13%) है. इसके अतरिक्त NCP से (7 में से 2, 28.57%), BJP से (17 में से 2, 11.76%), JD(U) से (11 में से 2, 18.18%) तथा RJD से (12 में से 2, 16.67%) हैं.

9. सर्वाधिक परिसंपत्ति वाले प्रथम तीन उम्मीदवार श्री वशिम अहम्द ग़ाज़ी (14.11 करोड़ रुपये) निर्दलीय उम्मीदवार ओखला,दिल्ली. श्री प्रदुम्म राजपूत (11.93 करोड़ रुपये) BJP उम्मीदवार द्वारका,दिल्ली एवं श्री ब्रह्म सिंह (9.82 करोड़ रुपये) BSP उम्मीदवार ओखला,दिल्ली से है. इसके बाद में मुंगेर (बिहार) से RJD उम्मीदवार श्री विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता है जिनकी कुल संपत्ति 7.47 करोड़ रुपये है.

10. बिहार से सर्वाधिक 8(123 में से, 6.50%) तथा दिल्ली से 7(23 में से, 30.43%) करोड़पति चुनाव लड़ रहे हैं.

श्री अंजेश कुमार, (राज्य संयोजक,बिहार इलेक्सन वॉच) ने कहा कि "वर्तमान विश्लेषण राज्य बिधान सभा की गंभीर स्थिति को प्रदर्शित करता है. उन्होने कहा कि आगामी उप चुनावों में बिहार से सर्वाधिक ऐसे उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं. विधान सभा में आपराधिक छवि के उम्मीदवारों का आना प्रजातंत्र के लिए घातक है. अतः हम मतदाताओं से वोट करने से पहले ऐसे उम्मीदवारों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की अपील करते है"**.**

श्री जगदीप छोकर, (Founder member of ADR & NEW) ने कहा कि **"**जहाँ देश के बिभिन्न संगठन स्वयं को नागरिकों के प्रति ज़्यादा जबाब देह बनाने के लिए कार्यरत है वही राजनैतिक पार्टियाँ दागदार छवि के उम्मीदवारों को टिकट देकर अपने कार्य कलापों में गंभीर लापरवाही का प्रदर्शन कर रही है. उन्होने कहा कि राजनैतिक पार्टियों को जबाब देह बनाने के लिए नियंत्रक क़ानून बनाना समय की त्वरित माँग है"**.**

Contact

Anil Bairwal, National Coordinator National Election Watch, and Association for Democratic Reforms 011 6590 1524, +91 9999310100 adr@adrindia.org, anil@adrindia.org	Prof Trilochan Sastry Dean, IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919448353285, trilochans@IIMB.ERNET.IN	Prof Jagdeep Chhokar Former Director IIM Ahmedabad, Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919999620944 jchhokar@gmail.com

About NEW

The *National Election Watch (NEW)* is a nationwide campaign comprising of more than 1200 NGO and other citizen led organizations working on electoral reforms, improving democracy and governance in India. The National Election Watch is active in almost all states of India and has done election watch for all states and Lok Sabha elections since ADR, along with couple other organizations, won the PIL in Supreme Court in 2002 to making disclosure of educational, financial and criminal background of electoral candidates mandatory.

About ADR

Association for Democratic Reforms (ADR) is a Non-Political, Non-Partisan and a Non-Governmental Organization whose PIL filed in Dec 1999 culminated in a Supreme Court order on Mar 13, 2003 requiring disclosure of criminal, financial and educational background of all contesting candidates. Since then ADR has done Election Watches in almost all State Assembly and Lok Sabha elections. It continues to works towards strengthening democracy and governance in India by focusing on fair and transparent electoral and political processes. It is currently conducting election watch is all states going for assembly polls.
You can learn more about ADR at: http://www.adrindia.org